IJARSCT

ISSN (Online) 2581-9429

International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)

International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal

Impact Factor: 7.53

Volume 4, Issue 8, March 2024

वस्त्र ननमाि ण में जैनवक कपास की भूनमका

श्रीमती शुभम गुप्ता

Student, Mansarovar Global University, Bhopal

प्रस्तावनादृ

जैविक कप कपास क्या है? जैविक खेती प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर काम करती है। किसान अपनी फसले उगाने के लिए प्राकृतिक प्रणालियों और चक्र का भरपूर उपयोग करते हैं ।फसल चक्र जैविक ।।खाद और कंपोजिट जैसी तकनीकों का उपयोग करने से स्वस्थ मिट्टी से स्वस्थ फसल प्राप्त होती हैं। जैविक खेती हमारे ग्रामीण परिवेश को और अधिक प्रकृति के अनुकूलन बनाने का एक शानदार तरीका हैं। हममे से बहुत से लोगों को यह एहसास नहीं हैं, कि हम जो पहनते हैं उसके जीवन की शुरुआत मिट्टी में ही हो जाती हैं। कपास को खेत में उगाया जाता हैं, उसके रेशे को चुना जाता हैं, फिर उसे धागे के अप में तैयार किया जाता हैं। इन धागों की सहायता से कपड़े व वस्त्रो का निर्माण होता हैं।

विभिन्न प्रकार के कपास उपलब्ध हैं, यदि आप सुनिश्चित करना चाहते हैं, कि आप जो खरीद रहे हैं, वह वास्तव में टिकाऊ तरीके से उगाया जाता हैं? तो प्रमाणीत जैविक कपास सबसे अच्छा विकल्प हैं, ऑर्गेनिक अर्थात जैविक एकमात्र प्रणाली हैं, जो पर्यावरण से अत्यधिक विमाान पदार्थों को समाप्त करती हैं। अन्य रेशे जैविक खेतों में उगाए जा सकते हैं, जैसे लिनन, जूट, रेशम और ऊन आदि लेकिन कपास वेस्त्रों में सबसे अधिक उपयोग की जाने वाली सामग्रियों में से एक हैं।